

अपनी भात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 500 वर्ष 40

राँची, 31 जनवरी, 2016

गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न



सीएमडी श्री गोपाल सिंह गणतंत्र दिवस समारोह पर ध्वजारोहण करते हुए

26 जनवरी के पावन अवसर पर महात्मा गांधी क्रीड़ागण, गांधीनगर में हमारे सीमेडी श्री गोपाल सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तथा उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सी.सी.एल. सुरक्षा कर्मियों, सीआईएसफ जवानों, आर्मी बैन्ड के जवानों, गांधीनगर डी.ए.वी.एवं ज्ञानोदय स्कूल के छात्र-छात्राओं की मिली-जुली परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सुरक्षाकर्मियों, परेड में शामिल प्लाटून कमांडर्स, परेड कमांडर को सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया। बिहार आर्मी बैन्ड के जवानों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत आर्कषक धून बजाकर सभी को मंत्रमुद्ध कर दिया। इस अवसर पर डी.ए.वी., गांधीनगर एवं ज्ञानोदय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

समारोह में निदेशक(वित्त) श्री डी.के. घोष, निदेशक(कार्मिक) श्री आर.एस. महापात्र, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता महापात्र, निदेशक(योजना/परियोजना) श्री सुबीर चन्द्रा, मुख्य सत्तर्कता पदाधिकारी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर



राजेन्द्र उद्यान का लोकार्पण करते सीएमडी श्री गोपाल सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला सिंह, निदेशकगण एवं अन्य

“राजेन्द्र उद्यान” का लोकार्पण

सी.सी.एल. के राजेन्द्र नगर कॉलोनी में 26 जनवरी को सीमेडी, श्री गोपाल सिंह ने “राजेन्द्र उद्यान” का उद्घाटन किया। श्री गोपाल सिंह की परिकल्पना है कि सी.सी.एल. के सभी कार्यालयों एवं कॉलोनी में पुष्ट वाटिकाएं हों जहाँ सी.सी.एल. वृहद परिवार के सदस्य शुद्ध वायु तथा स्वस्थ्य वातावरण का लाभ उठा सकें।

“भीष्म पितामाह कलब” का उद्घाटन

सी.सी.एल. ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सेवानिवृत अधिकारियों हेतु “भीष्म पितामाह कलब” का निर्माण किया है। उक्त कलब का उद्घाटन सी.सी.एल. मुख्यालय दरभंगा हाउस, रांची में सीएमडी श्री गोपाल सिंह द्वारा “गणतंत्र दिवस” के अवसर पर किया गया। इस कलब को सी.सी.एल. द्वारा सेवानिवृत अधिकारियों को समर्पित किया गया।



भीष्म पितामाह कलब का उद्घाटन करते सीएमडी श्री गोपाल सिंह साथ में हैं निदेशकगण एवं सेवानिवृत अधिकारीगण

सीईओ कार्यालय का उद्घाटन

26 जनवरी को ही सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने ज्ञारखंड सेंट्रल रेलवे (JCRL) सीईओ कार्यालय का उद्घाटन सी.सी.एल. मुख्यालय स्थित दायोदर भवन में किया। JCRL नामक संयुक्त उद्यम में सी.सी.एल. का 64% इक्विटी शेयर है एवं मेसर्स ईरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और ज्ञारखंड सरकार के क्रमशः 26% एवं 10% इक्विटी शेयर है। यह कंपनी ज्ञारखंड राज्य के अंतर्गत आने वाले कोलफील्ड्स क्षेत्रों में कोयला प्रेषण के लिए रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढाँचा) के विकास एवं उसे सुचारू रूप से चलाने में कार्यरत रहेगी।

गांधीनगर कलब में नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन

गांधीनगर कॉलोनी स्थित गांधीनगर कलब काम्पलेक्स में नवनिर्मित परिसर का निर्माण किया गया है। इस कलब परिसर की कल्पना सीएमडी सी.सी.एल. ने की थी, जिसका विधिवत उद्घाटन उनके द्वारा किया गया। इस परिसर के निर्माण से कलब सदस्यों को और अधिक सुविधा मिलेगी।

“इन्डक्शन कम ओरियनेटेशन” प्रशिक्षण केंद्र



सीएमडी श्री गोपाल सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला सिंह इन्डक्शन-कम-ओरियनेटेशन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करते हुए

विगत 01 जनवरी, 2016 को सी.सी.एल. के सी.ई.टी.आई., बरकाकाना में सी.एम.डी श्री गोपाल सिंह ने “इन्डक्शन कम ओरियनेटेशन” प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस “इन्डक्शन कम ओरियनेटेशन” प्रशिक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य सी.सी.एल. द्वारा विभिन्न स्कॉलों के अंतर्गत सी.सी.एल. में नवनियुक्त कर्मियों का स्किल अपग्रेडेशन करना है। पहले बैच में 45 छात्रों को तीन महीने तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर एम.एस.डी.सी. के पहले बैच के बच्चों को उनके प्रशिक्षण की सफल समाप्ति पर “प्रमाण-पत्र” सी.सी.एल., सी.एम.डी. की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला सिंह, निदेशकगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया।

रोजगार मेला का आयोजन

ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास के लिए सी.सी.एल. के एमएसडीसी, बरकाकाना में पिछले वर्ष से विभिन्न बैचों में युवाओं को इलेक्ट्रीशियन एवं वेल्डर का छ: माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सीएमडी, श्री गोपाल सिंह की पहल पर विगत 08 जनवरी को मुख्यालय के “विचार मंच” में एमएसडीसी, बरकाकाना में प्रशिक्षण पाए हुए पहले बैच के 44 नवयुवकों के लिए “प्लेसमेंट” का आयोजन किया गया, जिसमें 24 कंपनियों ने भाग लिया। महाप्रबंधक (उत्थनन) श्री मलय कुमार के मार्ग-निर्देशन में “रोजगार मेला” का सफल आयोजन किया गया।



रोजगार मेला में आए प्रशिक्षित युवक एवं अधिकारीगण

संभव की सीमा जानने का केवल

एक ही तरीका है

असंभव से भी आगे निकल जाना

—स्वामी विवेकानन्द